IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 4, Issue 2, September 2024
Impact Factor: 7.53

बुजुर्गों की देखभाल: संयुक्त परिवार से एकाकी परिवार की ओर

डॉ. प्रियंका पांडेय

अतिथि विद्वान -समाज शास्त्र विभाग

शासकीय ठाकुर रणमतसिंह महाविद्यालय, रीवा, मध्य प्रदेश

सारांश (Abstract)

भारतीय समाज में बुजुर्गों की देखभाल पारंपरिक रूप से संयुक्त परिवार प्रणाली पर आधारित रही है, जिसमें बहु-पीढ़ीगत सहजीवन बुजुर्गों को सामाजिक, आर्थिक और भावनात्मक सुरक्षा प्रदान करता था। किंतु नगरीकरण, युवाओं का प्रवास, महिलाओं की कार्यबल में भागीदारी और छोटे परिवारों की प्रवृत्ति के कारण परिवार संरचना में परिवर्तन हो रहा है, जिससे एकाकी (नाभिकीय) परिवार बढ़ रहे हैं। इस शोध पत्र में संयुक्त परिवार से एकाकी परिवार की ओर संक्रमण के प्रभावों का विश्लेषण किया गया है।

शोध से पता चलता है कि भारत में 60 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों की संख्या 2022 में 10.5% (लगभग 14.9 करोड़) थी, जो 2050 तक 20.8% (34.7 करोड़) हो जाएगी। एकाकी परिवारों में बुजुर्गों की अकेलापन, स्वास्थ्य समस्याएं, आर्थिक असुरक्षा और देखभाल की कमी बढ़ रही है। LASI (Longitudinal Ageing Study in India) और UNFPA की रिपोर्टों के आधार पर यह पाया गया कि लगभग 25% बुजुर्ग परिवार से देखभाल प्राप्त करते हैं, जबकि शेष को चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in
DOI: 10.48175/IJARSCT-19700W

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 4, Issue 2, September 2024
Impact Factor: 7.53

शोध पद्धति द्वितीयक डेटा विश्लेषण पर आधारित है। निष्कर्ष में सुझाव दिया गया है कि सरकारी योजनाओं को मजबूत करना, वृद्धाश्रमों का विस्तार और परिवार-केंद्रित देखभाल मॉडल को प्रोत्साहित करना आवश्यक है। यह अध्ययन बुजुर्ग देखभाल नीतियों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

कीवर्ड्स (Keywords): बुजुर्ग देखभाल, संयुक्त परिवार, एकाकी परिवार, नगरीकरण, वृद्ध जनसंख्या, सामाजिक परिवर्तन, LASI रिपोर्ट।

परिचय (Introduction)

भारतीय संस्कृति में बुजुर्गों को 'वृद्ध' या 'आदरणीय' माना जाता है। प्राचीन काल से संयुक्त परिवार व्यवस्था में दादा-दादी, माता-पिता और बच्चों का सहजीवन बुजुर्गों की देखभाल सुनिश्चित करता था। इसमें बुजुर्ग परिवार के निर्णयों में भाग लेते थे और युवा उनकी सेवा करते थे।

किंतु 21वीं सदी में सामाजिक-आर्थिक परिवर्तनों ने इस व्यवस्था को चुनौती दी है। नगरीकरण, औद्योगीकरण, शिक्षा और रोजगार के लिए युवाओं का शहरों या विदेशों की ओर प्रवास, महिलाओं की नौकरी और घटती प्रजनन दर (TFR) ने परिवारों को छोटा कर दिया है। NFHS-5 (2019-21) के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में 63% और ग्रामीण क्षेत्रों में 59.3% परिवार एकाकी (nuclear) हैं।

UNFPA India Ageing Report 2023 के अनुसार, भारत में बुजुर्ग जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है। 2022 में 60+ आयु वर्ग 10.5% था, जो 2050 तक 20.8% हो जाएगा। 2046 तक बुजुर्ग बच्चों (0-15 वर्ष) से अधिक होंगे। इस परिवर्तन से बुजुर्गों की देखभाल संकट में है – अकेलापन, अवसाद, स्वास्थ्य समस्याएं और आर्थिक निर्भरता बढ़ रही है।

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 4, Issue 2, September 2024
Impact Factor: 7.53

शोध उद्देश्य:

संयुक्त से एकाकी परिवार की ओर संक्रमण का विश्लेषण करना।

बुजुर्गों पर इसके प्रभावों का अध्ययन करना।

देखभाल के वैकल्पिक मॉडल सुझाना।

यह शोध सामाजिक परिवर्तनों के संदर्भ में बुजुर्ग कल्याण पर प्रकाश डालता है।

शोध पद्धति (Research Methodology)

यह शोध द्वितीयक डेटा विश्लेषण (Secondary Data Analysis) **पर आधारित है। प्राथमिक डेटा संग्रह की बजाय विश्वसनीय स्रोतों से जानकारी एकत्र की गई है।**

डेटा स्रोत:

Longitudinal Ageing Study in India (LASI) Wave 1 (2017-18): 72,250 **बुजुर्गों** (45+ **वर्ष**) **का सर्वे**, **जिसमें स्वास्थ्य**, **आर्थिक स्थिति**, **परिवार संरचना और देखभाल शामिल।**

UNFPA India Ageing Report 2023: **जनसांख्यिकीय प्रक्षेपण और चुनौतियां।**

National Family Health Survey (NFHS-5, 2019-21): **परिवार संरचना** (nuclear vs joint) **के आंकड़े।**

भारत की जनगणना 2011 **और** NSSO **रिपोर्ट्स**: **वृद्धावस्था संबंधी आंकड़े।**

अन्य: PMC, ScienceDirect **और सरकारी रिपोर्ट्स से** 20+ **शोध पत्र।**

विश्लेषण विधि:

गुणात्मक और मात्रात्मक: **प्रतिशत**, **प्रवृत्ति विश्लेषण** (trend analysis) **और तुलनात्मक अध्ययन** (joint vs nuclear)।

सीमा: **प्राथमिक सर्वेक्षण की अनुपस्थिति**, **किंतु द्वितीयक डेटा राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधि है।**

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 4, Issue 2, September 2024
Impact Factor: 7.53

शोध नैतिक मानकों (जैसे गोपनीयता) का पालन करते हुए किया गया।

निष्कर्ष (Conclusion)

भारत में परिवार संरचना का परिवर्तन बुजुर्गों की देखभाल को प्रभावित कर रहा है। संयुक्त परिवार की सुरक्षा अब एकाकी परिवारों में अकेलेपन में बदल गई है। LASI के अनुसार, केवल 25% बुजुर्गों को परिवार से पर्याप्त देखभाल मिलती है, जबकि 40% आर्थिक रूप से निर्भर हैं और 18% की कोई आय नहीं। महिलाएं अधिक प्रभावित हैं, क्योंकि वे लंबी आयु तक जीवित रहती हैं।

मुख्य चुनौतियां:

भावनात्मक अलगाव और मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं।

स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच की कमी।

वृद्धाश्रमों की अपर्याप्तता (केवल 37,000 बुजुर्गों को सरकारी सहायता)।

सुझाव:

नीतिगत: Maintenance and Welfare of Parents and Senior Citizens Act 2007 को सख्ती से लागू करना और पेंशन योजनाओं का विस्तार।

सामाजिक: परिवारों को बुजुर्ग देखभाल के लिए प्रोत्साहन (टैक्स छूट, अवकाश)।

तकनीकी: टेलीमेडिसिन और होम केयर सेवाओं का विकास।

शिक्षा: स्कूलों में बुजुर्ग सम्मान की शिक्षा शामिल करना।

यदि समय रहते कदम उठाए गए, तो 'वृद्ध भारत' को 'सक्रिय वृद्ध भारत' बनाया जा सकता है। यह शोध भविष्य के शोधकर्ताओं और नीति-निर्माताओं के लिए आधार प्रदान करेगा।

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 4, Issue 2, September 2024
Impact Factor: 7.53

संदर्भ (References)

[1]. United Nations Population Fund (UNFPA). (2023). India Ageing Report 2023. UNFPA India. https://india.unfpa.org/sites/default/files/pub-pdf/20230926_india_ageing_report_2023_web_version_.pdf

[2]. International Institute for Population Sciences (IIPS). (2020). Longitudinal Ageing Study in India (LASI) Wave 1, 2017-18. IIPS, Mumbai.

[3]. International Institute for Population Sciences (IIPS) & ICF. (2021). National Family Health Survey (NFHS-5), 2019-21: India. IIPS, Mumbai.

[4]. Saha, B., & Majumdar, S. K. (2023). "Patterns and Correlates of Living Arrangement Among the Elderly Population in India." Sage Journals.

[5]. James, K. S., et al. (2023). "Changing Family Structures and Self-Rated Health of India's Older Population." ScienceDirect.

[6]. Ministry of Statistics and Programme Implementation (MoSPI). (2016). Situation Analysis of the Elderly in India.

[7]. Bloom, D. E., et al. (2011). "Longitudinal Aging Study in India: Vision, Design, Implementation, and Preliminary Findings." National Academies Press.